कोरोना काल में भी नहीं थमी एक्सप्रेस वे परियोजनाओं की रफ्तार : महाना

गंगा एक्सप्रेस वे के लिए 95 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने कहा है कि पिछली सरकार एक्सप्रेस वे पर राजनीति करती रही हैं, जबकि भाजपा सरकार ने एक्सप्रेस वे विकसित करने के साथ ही महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल क्षेत्र को निरंतर विकसित कर रही है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पूर्वांचल के लोगों के लिए लाइफलाइन साबित होगा। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य फरवरी 2020 में शुरू हुआ, उस समय कोविड जैसी महामारी के बीच 70 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण किया गया।

उन्होंने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य भी रुकने नहीं पाया। इसी तरह से गंगा एक्सप्रेस वे के लिए 95 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है, जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों उसका शिलान्यास कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर के तहत झांसी जिले में भारत डायनमिक लिमिटेड व लखनऊ में ब्रह्मोस कंपनी को भूमि आवंटित की जा चुकी है।

इस कारिडोर के तहत अलीगढ़ में चिन्हित भूमि को 19 औद्योगिक इकाईयों को आवंटित किया गया है। मंत्री ने बताया कि एग्रोस्टो मासा

सतीश महाना (फाइल फोटो)

उपलब्धि

- गंगा एक्सप्रेसवे का प्रधानमंत्री मोदी से जल्द शिलान्यास कराने की तैयारी
- फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में पेप्सिको जैसी कंपनियां लगा रही यूनिट

प्राइवेट लिमिटेड बिजनौर में 600 करोड़ रुपये लागत से बने फूड प्रोसेसिंग यूनिट में उत्पादन कार्य मार्च 2022 से शुरू हो जाएगा।

महाना ने बताया कि फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र की पेप्सिको, ब्रिटानिया जैसी बड़ी कंपनियों की ओर से यूनिट स्थापना का कार्य शुरू कर दिया गया है, इससे देश व विदेश के बड़े उद्यमी यूपी की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

डाटा सेंटर पालिसी आने के बाद हीरानंदानी ग्रुप की ओर से ग्रेटर नोएडा में डाटा सेंटर की स्थापना की जा रही है। ऐसे ही अडानी इंडस्ट्री लगाने के लिए जमीन आवंटित की गई है। उन्होंने बताया कि जेवर एयरपोर्ट का कार्य शुरू होने से आसपास बड़ा इंडस्ट्रियल क्षेत्र विकसित हो रहा है।

ग्रेटर नोएडा के बुडाकी क्षेत्र में इंटीग्रेटेड लाजिस्टिक हब व इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट हब का विकास कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व की सरकारों ने प्रदेश में औद्योगिक वातावरण सृजित करने में कोई रुचि नहीं ली, सिर्फ जातिगत आधार पर राजनीति की गई। यह भी कहा कि आगरा एक्सप्रेस वे का कार्य अधूरा छोड़कर केवल वाहवाही लूटने का प्रयास किया गया। केवल 72 प्रतिशत निर्माण कार्य होने पर उसका लोकार्पण कर दिया गया।

भाजपा सरकार आने के बाद इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम व अन्य आवश्यक अधूरी सुविधाओं को पूरा किया गया। सपा शासन में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे में केवल 25 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण हुआ था और नियम विरुद्ध टेंडर किए गए थे।

यह और उप्र की राजनीति, सरकार और अपराध संबंधित अन्य खबरें www.jagran.com पर पढ़ें